अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा **की विकास यात्रा**

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा की स्थापना ईस्वी सन् 1909 में समाज की एकता, उन्नति एवं विकास के उद्देश्यों को मद्देनजर की गई थी। यह संस्था कभी जांगड़ क्षत्रीय, कभी नामदेव क्षत्रीय, तो कभी चित्तौड़िया क्षत्रीय इत्यादि नामों से अपने समुदाय की सेवा करती रही है। सागर ;म.प्र.(अधिवेशन ;दिनांक 22.10.1955) में संस्था का नाम अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा ;शूर समुदाय) रखा गया। तत्पश्चात 19–11–76 को जयपुर में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में इस संस्था का नाम बदल कर अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा रखा गया, जिसका अनुमोदन दिनांक 28–29 मई 1985 को कांकरोली ;राज.) अधिवेशन में किया गया था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मेघराज टटवाल ने की थी। इस अधिवेशन में बड़ी संख्या में समाज बन्धु सम्मिलित हुए थे।

अधिवेशन :– महासभा के तत्वावधान में आंरभ से अब तक विभिन्न स्थानों पर त्रयोदश राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किये जा चुके है। प्रथम अधिवेशन संस्था के स्थापना वर्ष 1909 में अलीगढ़ ;उ.प्र.) में हुआ था। तत्पश्चात सन् 1912 एवं 1916 में बुरहानपुर ;म.प्र.) में द्वितीय व तृतीय अधिवेशन हुए। सन् 1925 में अजमेर में चतुर्थ अधिवेशन हुआ, जबकि 1947 में मथुरा ;उ.प्र.) में पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन होने की जानकारी उपलब्ध होती है। महासभा का छठा अधिवेशन 22 अक्टूबर 1955 को सागर ;म.प्र.) में तथा सातवां अधिवेशन 1 व 2 अक्टूबर 1961 को अजमेर ;राज.) में हुआ था। अजमेर में आयोजित हुआ यह विराट सम्मेलन राष्ट्रीय महासभा के सभापति श्री मोतीलाल मालेवार ;अजमेर) के सभापतित्व तथा श्री रघुवीर सिंह रम्य ;मुम्बई) के प्रधान मंत्रीत्व में सम्पन्न हुआ था। तत्पश्चात दिनांक 9 नवम्बर 1968 को रविन्द्र रंग मंच जयपुर पर आठवां विशेष राष्ट्रीय **वृहत**) अधिवेशन हुआ था।

इसी श्रृंखला में महासभा के तत्वावधान में नवां अधिवेशन महासभा की साधारण सभा के रूप में 8 फरवरी 1981 को सांगानेर में श्री मेघराज टटवाल की अध्यक्षता एवं श्री गौरीशंकर दोसाया ;अजमेर के महामंत्रीत्व में हुआ था। इसी अधिवेशन में महासभा की ओर से छीपा समाज की एक पत्रिका निकालने का निर्णय भी हुआ था, जिसके संपादक का दायित्व श्री चन्द्रप्रकाश गोठानिया को प्रदान किया गया था। तत्पश्चात् 28–29 मइ 1985 को कांकरोली में महासभा के तत्वावधान में दसवां अधिवेशन हुआ, जिसकी अध्यक्षता महासभा अध्यक्ष श्री मेघराज टटवाल ने की थी। तत्परान्त 22–23 अप्रैल 1989 को नामदेव मिशन नई दिल्ली में 11 वां विशेष सामाजिक अधिवेशन हुआ था।

तत्पश्चात् 26 दिसम्बर 1999 को सांगानेर ;जयपुर) में द्वादश राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। महासभा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री मेघराज टटवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस अधिवेशन में सर्व सम्मति से श्री भैरूलाल पाटौदी ;कोटा) को राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा श्री घनश्याम वर्मा ;कोटा) को महामंत्री मनोनीत

किया गया था। निवर्तमान अध्यक्ष श्री मेघराज टटवाल ;सवाई माधोपुर) ने नवगठित 32 सदस्यीय कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण करवाई थी।

सांगानेर ;जयपुर में आयोजित इसी अधिवेशन में श्री घनश्याम वर्मा ;कोटा को महासभा की त्रैमासिक पत्रिका "श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका" के प्रधान संपादक का दायित्व प्रदान किया गया था। निसंदेह सांगानेर में दिनांक 26–12–1999 को सम्पन्न हुए इस राष्ट्रीय अधिवेशन के माध्यम से सुषुप्त एवं निष्क्रिय अवस्था में पहुंच चुकी महासभा को जीवन्त एवं सक्रिय स्वरूप प्रदान करने का सार्थक प्रयास हमारे चिंतनशील वरिष्ठ समाज सेविया की पहल एवं प्रयासों से ही हो पाया था।

महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशनों की श्रृंखला में त्रयोदश अधिवेशन 25 दिसम्बर 2005 को कोटा में हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न प्रांतों से आए समाज बन्धुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था।